Total Pages : 4

KN-05

B.A. (Part-I) Examination, 2022

(New Course)

HINDI

(हिन्दी कथा साहित्य)

[Paper : Second]

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks :75

Minimum Passing Marks : 25

नोट : **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** है। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प हैं। प्रश्नों के सम्मुख उनके अंक दर्शाये गये हैं।

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। [7x3=21]

(क) "आदमी जब तक स्वस्थ रहता है उसे इसकी चिंता नहीं रहती कि वह क्या खाता है, कितना खाता है, लेकिन जब कोई विकार उत्पन्न हो जाता है, तो उसे याद आती है कि कल मैने पकौड़ियाँ खाई थीं। विजय बहिर्मुखी होती है, पराजय अन्तर्मुखी।"

(ख) "विचित्र जीवन था इनका। घर में मिट्टी के दो चार बर्तनों के सिवा कोई भी सम्पत्ति नहीं। फटे चिथड़ों से अपनी नग्नता को ढाँके हुये जिये जाते थे। संसार की चिन्ताओं से मुक्त। कर्ज से लदे हुये। गालियाँ भी खाते, मार भी खाते, मगर कोई गम नहीं। दीन इतने की वसूली की बिल्कुल आशा न रहने पर भी लोग इन्हें कुछ कुछ कर्ज दे देते थे।"

(ग) "सामने जल-राशि का रजत-श्रृंगार था। वरूण बालिकाओं के लिये लहरों से हीरे और नीलम की क्रीडा शैलमालायें बना रही थी और वे मायाविनी छलनाये अपनी हँसी का कलनाद छोड़कर छिप जाती थीं। दूर-दूर से धीवरों की वंशी की झनकार से संगीत-सा मुखरित होता था।"

(घ) "चोर से ज्यादा फ्रिक थी आबरू की। किबाड़ न रहे पर्दा ही आबरू का रखवाला था। वह पर्दा ही आबरू का रखवाला था। वह पर्दा भी तार-तार होते एक रात आँधी में किसी भी हालत में लटकने लायक न रह गया। इसके दिन घर की एकमात्र पुश्तैनी चीज दरी दरवाजे पर लटक गई।"

(ङ) "आज सिरचन को मुफ्तखोर या चटोर कह ले कोई। एक समय था, जब उसकी मवैया के पास बड़े-बड़े लोगों की

सवारियाँ बंधी रहती थीं। उसे लोग पूछते ही नहीं थे, उसकी खुशामत भी करते थे। अरे सिरचन भाई! अब तो तुम्हारे ही हाथ में कारीगरी रह गई है सारे इलाके में। एक दिन का समय निकालकर चलो।"

2. 'गबन' उपन्यास के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। [12]

अथवा

'गबन' में वर्णित समस्यायें आज भी समाज में मौजूद है। विवेचना कीजिए।

3. हिन्दी कहानी की परिभाषा देते हुए उसके तत्वों पर प्रकाश डालिए। [12]

अथवा

कहानी के मूल्यांकन के प्रतिमान पर टिप्पणी लिखिए।

4. निम्नलिखित लघुस्तरीय प्रश्नों में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [5x3=15]

(i) आकाशदीप कहानी की विशेषताएं लिखिए।

(ii) कहानी का शीर्षक 'गदल' क्यों रखा गया है ?

(iii) 'परदा' कहानी का उद्देश्य लिखिए।

(iv) जालपा के चरित्र की विशेषतायें लिखिए।

5. निम्नलिखित अतिलघुउत्तरीय प्रश्नों में से **किन्हीं पन्द्रह** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [1x15=15]

(i) जालपा के पति का नाम क्या था ?

(ii) 'गबन' का प्रकाशन कब हुआ ?

(iii) 'गबन' उपन्यास का रचनाकाल क्या लिखिए।

(iv) 'आकाशदीप' के नायक का नाम लिखिए।

(v) रमानाथ की पत्नी का नाम क्या था ?

(vi) जालपा की सखी का नाम क्या था ?

(vii) बुधिया किस कहानी की पात्र है ?

(viii) 'परदा' किसका प्रतीक है ?

(ix) उपन्यास के कितने तत्व हैं ?

(x) 'आकाशदीप' की नायिका का नाम लिखिए।

(xi) 'कफन' कहानी के प्रमुख पात्र कौन हैं ?

(xii) जोहरा कौन थी ?

(xiii) प्रेमचन्द किस विचारधारा के लेखक थे ?

(xiv) गबन करने के बाद रामानाथ कहाँ पलायन कर चला गया ?

(xv) जालपा ने शतरंज का नक्शा किस समाचार पत्र में प्रकाशित कराया था ?

(xvi) 'हंस' पत्रिका का प्रकाशन किसने किया था ?

(xvii) 'गबन' उपन्यास की भाषा कैसी है ?

(xviii) 'ठेस' कहानी के कहानीकार का नाम लिखिए।

------x-------